शरणे थारे आयो हे भादवा,
माँ दरसन माने दीजो ऐ,
भगता रो हेलो सुणो ऐ भादवा,
शरणा में माने लीजो ऐ हे माँ।।

नीमच री धणियाणी भादवा,
दुखियारा दुखड़ा मिटावे हे,
लूला लंगड़ा पांवा चाले,
माँ चर्म रोग मिटावे हे,
ऐ माँ.. ओ शरणे थारे।।

नवरात्रा में मेलो लागे,
थारे घणी जातरी आवे हे,
भीड़ पड़े थारे भगता री,
माँ मन री आस पुरावे हे,
ऐ माँ.. ओ शरणे थारे।।

साचा मन सु ध्यावे मात ने,
माँ हर पल भेली आवे हे,
कारज सारे माँ भगता रा,
या विपदा आय कटावे हे,
ऐ माँ.. ओ शरणे थारे।।

योगी जोगी थारा उपासक,
वे कण्ठे नाम रटावे हे,
धरम तंवर थारा भजन सुनावे,
शरणा में थारे गावे हे,
ऐ माँ.. ओ शरणे थारे।।

शरणे थारे आयो हे भादवा,
माँ दरसन माने दीजो ऐ,
भगता रो हेलो सुणो ऐ भादवा,
शरणा में माने लीजो ऐ हे माँ।।

गायक और लेखक धर्मेंद्र तंवर उदयपुर।
9829202569

Source: https://www.bharattemples.com/sharane-thare-aayo-hai-bhadwa/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw